बुन्देलखण्ड डेयरी विकास परियोजना
सफलता की कहानी

दूध उत्पादक श्री राम लखन पटेल S/o श्री मथुरा पटेल

बुन्देलखण्ड क्षेत्र का पन्ना जिला रोजगार के वैकल्पिक साधन उपलब्ध न होने के कारण आर्थिक दृष्टी से अत्यंत पिछडा क्षेत्र है। इस पिछड़े क्षेत्र में बुन्देलखण्ड विशेष पैकेज अंतर्गत सहकारिता आधारित डेयरी गतिविधियाँ आरंभ किये जाने से क्षेत्र के दूध उत्पादक दूध व्यवसाय के प्रति आकर्षित हुए। दूध उत्पादकों से हुई चर्चा में उनके द्वारा बताया गया कि यद्यपि उनके द्वारा दूध उत्पादन पूर्व से किया जा रहा था किंतु दूध का मूल्य रू 15.00 प्रति लीटर तक ही प्राप्त हो पाता था अतः उचित मूल्य न मिलने के कारण उनकी दूध व्यवसाय में रूचि नहीं थी।

पन्ना जिले में बुन्देलखण्ड विशेष पैकेज अंतर्गत अजयगढ़ में दुग्ध सहकारी समितियों के गठन का कार्यक्रम प्रारंभ होने पर क्षेत्र के ग्राम बीहरसरवरीया में जुलाई 2011 में दुग्ध सहकारी समिति गठन किया गया। ग्राम के ही श्री राम लखन पटेल S/o श्री मथुरा पटेल जो कि पूर्व में मात्र 2 दुधारू पशु रखते थे एवं 5 लीटर दूध प्रति दिन का उत्पादन करते थे, इनके पास वर्तमान में 4 दुधारू पशु है एवं ये प्रति दिन औसतन 18 लीटर उत्पादन कर रहे है। पूर्व में इनका दूध प्राइवेट व्यापारियों द्वारा रू 15 प्रति लीटर की दर से क्रय किया जाता था, वर्तमान में इन्हें दुग्ध समिति सेरू 25 प्रति लीटर मूल्य प्राप्त हो रहा है।

इनके द्वारा यह भी बताया गया है कि वे दुग्ध समिति के प्रारंभ होने के समय से ही समिति से जुड़े हुए हैं एवं उनके द्वारा अब तक रू 1,32,400 का दूध विक्रय किया जा चुका है। दूध विक्रय से पर्याप्त आय प्राप्त होने के कारण इन्हें पशुपालन में रूचि जागृत हुई है एवं दैनिक व्ययों का निर्वहन आसान हो गया है। ग्राम के ही कुछ महिला समूह द्वारा डीपीआईपी परियोजना के माध्यम से दुग्ध संघ की आचार्य विद्यासागर योजना अंतर्गत और अधिक दुधारू पशु भी क्रय किए जा रहे है।

डरी विकास परियोजना क्षेत्र के आर्थिक पिछडेपन को दूर करने में सहायक सिद्ध हो रही है।

.....